RAJNIC
An e-Governance Newsletter of
NIC RAJASTHAN
त्रैमासिक डिजिटल समाचार पत्र (जनवरी से मार्च 2024)

हमारी विरासत

विजय स्तम्भ

विजय स्तंभ, जिसे विजय मीनार के रूप में भी जाना जाता है, भारत के ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण स्मारकों में से एक है और राजस्थान के चित्तौड़गढ़ शहर में चित्तौड़ किले के भीतर स्थित है। विजय स्तंभ का निर्माण मेवाड़ के हिंदू राजपूत राजा राणा कुंभा ने 1448 ईस्वी में सारंगपुर की लड़ाई में महमूद खिलजी के नेतृत्व में मालवा और गुजरात की संयुक्त सेनाओं पर अपनी जीत की याद में किया था। यह स्तंभ जीत का प्रतीक है और 37.19 मीटर ऊंचा है। 9 मंजिला मीनार की चोटी तक पहुंचने के लिए लगभग 157 संकीर्ण सीढ़ियाँ चढ़नी पड़ती हैं। मीनार की छत पर बालकनी शहर के मनोरम दृश्यों के साथ किले की एक सुंदर छवि प्रस्तुत करती है। यह मीनार भगवान विष्णु को समर्पित है और इसमें कई हिंदू देवी-देवताओं की सुंदर नक्काशी और मूर्तियां हैं। मीनार के अंदरूनी हिस्से में संगीत वाद्ययंत्रों, हथियारों और कई अन्य उपकरणों की नक्काशी है जिनका उपयोग 14वीं शताब्दी में किया गया था। विजय स्तंभ वास्तुकला का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू यह है कि-9वीं मंजिल पर जैन देवी पद्मावती की एक छवि है। तीसरी और आठवीं मंजिल पर, अल्लाह नाम अरबी में लगभग नौ बार उकेरा गया है। यह मीनार इस बात का भी प्रतीक है कि उस समय भी भारत में धार्मिक विविधता शांतिपूर्वक कैसे मौजूद थी। चित्तौड़गढ़ में विजय मीनार के निर्माण में मदद करने वाले वास्तुकारों के नाम भी पांचवीं मंजिल पर उकेरे गए हैं। विशाल और शक्तिशाली मीनार के निर्माण में कई साल लग गए, यह 1440 में शुरू हुआ और 1448 में तैयार हो गया। यह विशाल स्तंभ शहर में दूर से दिखाई देता है और सुंदर वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। यह राजपूत और मुगल कलाकृतियों का एक आदर्श उदाहरण है। चित्तौड़गढ़ में विजय स्तंभ लाल बलुआ पत्थर और सफेद संगमरमर से बना है। हर मंजिल पर एक छोटी सी बालकनी है। चित्तौड़गढ़ में विजय स्तंभ चित्तौड़गढ़ किले के भीतर स्थित है, जो मुख्य शहर चित्तौड़गढ़ से लगभग 3 किमी दूर है। भारत के विभिन्न शहरों से सड़क, रेल और हवाई मार्ग से चित्तौड़गढ़ पहुंचा जा सकता है। निकटतम हवाई अड्डा उदयपुर हवाई अड्डा है, जो लगभग 90 किमी दूर है। चित्तौड़गढ़ पहुँचने के लिए हवाई अड्डे से टैक्सी या बस ले सकते हैं। निकटतम रेलवे स्टेशन चित्तौड़गढ़ रेलवे स्टेशन है, जो दिल्ली, जयपुर, मुंबई, अहमदाबाद आदि प्रमुख शहरों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। किले तक पहुँचने के लिए आप स्टेशन से ऑटो-रिक्शा या टैक्सी ले सकते हैं। आप उदयपुर, जयपुर या कोटा से एन. एच. 76 या एन. एच. 79 लेकर चित्तौड़गढ़ भी जा सकते हैं। विजय स्तंभ सप्ताह के दौरान पूरे दिन पर्यटकों या आगंतुकों के लिए अलग-अलग प्रवेश टिकट शुल्क के साथ खुला रहता है। स्थानीय पर्यटन बोर्ड के माध्यम से खुलने के घंटों की पुष्टि की जा सकती है या आधिकारिक वेबसाइट की जांच की जा सकती है।

वेबसाइट:
https://www.tourism.rajasthan.gov.in/chittorgarh.html

महत्पूर्ण आयोजन / घटनाएँ

राजभाषा समिति द्वारा निरीक्षण

संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप-समिति, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 15/01/2024 को क्लार्क्स आमेर होटल, जयपुर में केन्द्र सरकार के कुछ कार्यालयों/उपक्रमों/संस्थाओं के साथ सांय 4:30 बजे राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केन्द्र, राजस्थान राज्य केन्द्र, जयपुर का भी राजभाषायी प्रथम निरीक्षण किया गया। उक्त निरीक्षण बैठक के दौरान संसदीय राजभाषा समिति में श्रीमती संजनबेन भट्ट, माननीय संसद सदस्य (लोक सभा) व सह संयोजक, माननीय संसद सदस्य (राज्य सभा) व सदस्य, माननीय संसद सदस्य (लोक सभा) व विशेष आमंत्रित सदस्य, श्री मनोज कुमार हिन्दी अधिकारी और अन्य समिति के सहायक कार्मिक उपस्थित थे। इस संसदीय राजभाषा समिति के समक्ष इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, नई दिल्ली से श्री अनिल कुमार पीपल, वैज्ञानिक-जी व श्री जगदीश गोकलानी, संयुक्त निदेशक, राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केन्द्र (मुख्यालय, नई दिल्ली से श्री योगेंद्र कुमार, राज्य सम्वयक एवं उप महानिदेशक व डॉ सुशील कुमार, राजभाषा समूह अध्यक्ष एवं उप महानिदेशक और राजस्थान राज्य केन्द्र, जयपुर से श्री जितेन्द्र कुमार वर्मा, राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी, श्री नरेश चंद गुप्ता, अतिरिक्त राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी (राज्य) एवं वैज्ञानिक-एफ, श्री सोहन लाल कुमावत, राजभाषा संयोजक एवं वैज्ञानिक-एफ, श्री मनोज प्रकाश, वैज्ञानिक-ई, श्री राजेश वर्मा, वैज्ञानिक-ई; श्रीमती मंजू सोनी, अनुभाग अधिकारी आदि अधिकारियों ने भाग लिया। निरीक्षण बैठक में समिति की सह संयोजक एवं माननीय संसद सदस्य (लोक सभा) ने राष्ट्र की प्रगति और विकास में इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र के योगदान के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। साथ ही माननीय सह संयोजक महोदया और अन्य माननीय संसद सदस्यों ने इस कार्यालय में संघ के राजकीय प्रयोजनों के लिए राजभाषा हिन्दी के प्रयोग में की गई प्रगति की समीक्षा की गई। इस सम्बन्ध में उपस्थित सभी अधिकारीयों के साथ व्यापक चर्चा की और निरीक्षण प्रश्नावली के कुछ बिन्दुओं के बारे में बताया, जिनके लिए कार्यालय को अनुपालन किया जाना है। माननीय समिति के सदस्यों द्वारा मंत्रालय व राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केन्द्र के अधिकारियों से सरकारी काम-काज में शत-प्रतिशत कार्य हिन्दी में किया जाए। राजभाषा नियम, 1976 के नियम 8[4] के तहत् व्यक्तिशः आदेश कार्यालय प्रमुख के हस्ताक्षर से कार्मिक के नाम से ही व्यक्तिगत रूप से जारी किया जाए। राजभाषा नियम, 1976 में की गई व्यवस्था का अनुपालन सही ढ़ंग से तभी हो सकता है जबकि क्षेत्र की राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासनों से मूल पत्राचार हिन्दी में किया जाए और उनसे कोई पत्र अंग्रेजी में भी आए तो उसका उत्तर हिन्दी में दिया जाए; राजभाषा विभाग के निदेशानुसार 'क' क्षेत्र में स्थित केन्द्र सरकार के कार्यालयों द्वारा 'क', 'ख' एवं 'ग' क्षेत्र में स्थित केंद्र सरकार के कार्यालयों के साथ क्रमशः 100%, 100% तथा 65% पत्राचार हिन्दी में किया जाना; कार्यालय के प्रयोग में आने वाले कम्प्यूटरों पर अधिक से अधिक कार्य हिन्दी में करने का प्रयास किया जाए; कार्यालय में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन तथा अनुवाद कार्य से सम्बधित कोई पद सृजित नहीं है, अतः अनुसचिवीय पदो के अनुपात में हिन्दी पदों का सृजन किया जाए; राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों का आयोजन वर्ष में चार बार अर्थात् नियमित तीन महीने के अंतराल पर किया जाए आदि दिशा-निर्देश दिए गए। राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी श्री जितेन्द्र कुमार वर्मा ने इस कार्यालय का निरीक्षण के लिए चयन करने हेतु माननीय समिति का आभार प्रकट किया और आश्वस्त किया कि समिति ने जो भी दिशा-निर्देश और सुझाव दिए हैं, उनका अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा।

जिला पुलिस मॉड्यूल और विदेशियों की पहचान पोर्टल का प्रशिक्षण

जिला पुलिस मॉड्यूल (डी. पी. एम.) और विदेशी पहचान पोर्टल पर प्रशिक्षण 9 फरवरी, 2024 को पुलिस मुख्यालय, जयपुर, राजस्थान में अतिरिक्त महानिदेशक, खुफिया, राजस्थान सरकार, श्री संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में श्री अनिल पाराशर और श्री अरविंद शर्मा निदेशक (आई. टी.), एन. आई. सी., राजस्थान द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित किया गया था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में आई. जी. इंटेलिजेंस श्री राजेश मीणा, एस. पी. इंटेलिजेंस श्री राज कुमार गुप्ता, जिलों के विदेशी पंजीकरण अधिकारी, क्षेत्रीय अधिकारी और पी. एच. क्यू. के अधिकारियों ने भाग लिया। प्रारंभ में श्री अरविंद शर्मा ने सार्वजनिक पोर्टल पर रोहिंग्या शरणार्थियों के जनसांख्यिकीय विवरण को पकड़ने की प्रक्रिया से अवगत कराया। https://identification.mha.gov.in आप्रवासन वीजा विदेशी पंजीकरण और अनुरेखण के राज्य समन्वयक श्री अनिल पाराशर ने वीपीएन टोकन स्थापना के बारे में जानकारी दी और डी. पी. एम. सॉफ्टवेयर की मुख्य विशेषताओं के बारे में बताया। राज्य समन्वयक ने यू. सी. एफ. (यूनिक केस फाइल) डेटा के साथ विदेशियों को ट्रैक करने के लिए युक्तियों और ओवरस्टे, करंट स्टे और गैर-रिपोर्टिंग विदेशियों जैसी रिपोर्टों के महत्व के बारे में भी बताया। आई. जी. इंटेलिजेंस ने इन मॉड्यूल पर सहायता और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एन. आई. सी. द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।

स्वच्छता पखवाड़ा समारोह (1 से 15 फरवरी 2024)

स्वच्छता पखवाड़ा कार्य योजना के अनुसार मनाया जाता है और एन. आई. सी. के अधिकारियों ने एन. आई. सी. राज्य केंद्र, जिला केंद्रों और परियोजना कार्यालयों में दैनिक गहन सफाई गतिविधियों को अंजाम दिया। इसमें एन. आई. सी. परिसरों की सफाई, आई. टी. उपकरण, मोबाइल फोन, पुरानी अप्रयुक्त फाइलों को हटाना, रजिस्टर, फर्नीचर और पॉलीथीन रोधी अभियान शामिल हैं। विभिन्न स्वच्छता बैनर और स्टैंड तैयार किए गए थे। एन. आई. सी. राजस्थान के अधिकारियों और कर्मचारियों ने डी. जी. एन. आई. सी. द्वारा प्रशासित स्वच्छता शपथ ली। श्री विनोद शर्मा, डी. आई. ओ. एन. आई. सी. जयपुर ने एकल उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध पर व्याख्यान दिया। दो सर्वश्रेष्ठ स्वच्छता केंद्रों का चयन करने के लिए चयनित एन. आई. सी. जिला केंद्रों द्वारा उनकी सफाई गतिविधियों पर प्रस्तुति। राजस्थान के एस. आई. ओ. श्री जितेंद्र कुमार वर्मा ने स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण के साथ आत्म-स्वच्छता के महत्व को बताया। पखवाड़ा सार्वजनिक स्थानों पर सफाई के साथ समाप्त हुआ।

महत्वपूर्ण आयोजन / घटनाएँ

राजस्थान राज्य में ई-डी. एल./ई-आर. सी. कार्यान्वयन

राजस्थान सरकार की बजट घोषणा 2024-25 के अनुपालन में, परिवहन विभाग ने राजस्थान में स्मार्ट कार्ड के स्थान पर ई-डी. एल. और ई-आर. सी. जारी करने को लागू किया है। 01.04.2024 इसके साथ, स्मार्ट कार्ड शुल्क राशि (रु। डीएल/आरसी दोनों के लिए 200.00) को भी बंद कर दिया गया है। अब, डीएल और आरसी केवल इलेक्ट्रॉनिक रूप से जारी किए जाएंगे और आवेदकों को स्मार्ट कार्ड के लिए कोई शुल्क जमा करने की आवश्यकता नहीं है। आवेदक परिवहन पोर्टल https://parivahan.gov.in के माध्यम से ई-डीएल और ई-आर. सी. डाउनलोड कर सकेंगे। केवल वाहन संख्या/चेसिस संख्या/डी. एल. संख्या/आवेदन संख्या/डी. ओ. बी. आदि जैसे वैध विवरणों की आपूर्ति करके और अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओ. टी. पी. के माध्यम से खुद को सत्यापित करके पी. डी. एफ. प्रारूप में आवेदक के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर प्राप्त एस. एम. एस. में डाउनलोड लिंक भी भेजा जाता है। उस लिंक पर क्लिक करने से आवेदक ई-आर. सी./ई-डी. एल. डाउनलोड कर सकेगा। ई-डी. एल./ई-आर. सी. एम-परिवहन और डिजी लॉकर ऐप पर भी उपलब्ध है। स्थानीय सी. एस. सी. (ई-मित्र) को भी परिवहन पोर्टल के साथ एकीकृत किया गया है। पी. डी. एफ. और पी. वी. सी. कार्ड सरकार द्वारा निर्धारित नाममात्र शुल्क का भुगतान करके ई-मित्र से प्राप्त किए जा सकते हैं। सभी कार्यालयों में ई-मित्र स्व-सेवा कियोस्क भी लगाए गए हैं, जहां आवेदक कियोस्क पर ऑनलाइन भुगतान करके ई-डीएल/ई-आरसी के पेपर और पीवीसी कार्ड प्रिंट ले सकेंगे। राज्य में ई-डी. एल./ई-आर. सी. की निर्बाध शुरुआत के लिए विभिन्न प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन किया गया। श्रीमती श्रेया गुहा (अतिरिक्त मुख्य सचिव) की अध्यक्षता में तौर-तरीकों को अंतिम रूप देने के लिए एक बैठक का आयोजन किया गया था। सुश्री आरती डोगरा (सचिव आई. टी.), श्री हावासिंह घुमरिया (ए. डी. जी. पी., यातायात), श्री इंद्रजीत सिंह (आयुक्त आई. टी.), श्रीमती. मनीषा अरोड़ा (आयुक्त, परिवहन), श्री जॉयदीप शोम (डीडीजी और एचओजी एनआईसी-ई-ट्रांसपोर्ट), श्री जे. के. वर्मा (एस. आई. ओ. राजस्थान), श्रीमती नलिनी शर्मा (एचओडी वाहन), श्री बी. वी. रेड्डी (एचओडी सारथी), श्री श्रीपाल यादव (वरिष्ठ निदेशक और परियोजना समन्वयक), श्री एस. एस. वी. राव (वरिष्ठ निदेशक एन. आई. सी.) उपस्थित रहे।

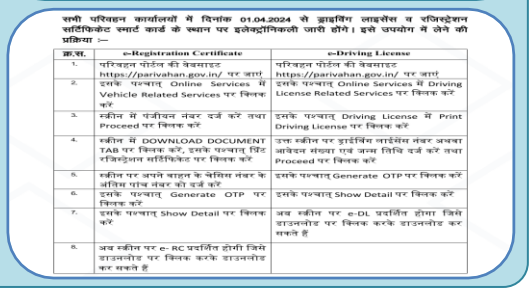

सभी परिवहन कार्यालयों में दिनांक 01.04.2024 से ड्राइविंग लाइसेंस व रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट स्मार्ट कार्ड के स्थान पर इलेक्ट्रॉनिकली जारी होंगे। इसे उपयोग में लेने की प्रक्रिया :—

क्र.सं.	e-Registration Certificate	e-Driving License
1.	परिवहन पोर्टल की वेबसाइट https://parivahan.gov.in/ पर जाएं	परिवहन पोर्टल की वेबसाइट https://parivahan.gov.in/ पर जाएं
2.	इसके पश्चात् Online Services में Vehicle Related Services पर क्लिक करें	इसके पश्चात् Online Services में Driving License Related Services पर क्लिक करें
3.	स्क्रीन में पंजीयन नंबर दर्ज करें तथा Proceed पर क्लिक करें	इसके पश्चात् Driving License में Print Driving License पर क्लिक करें
4.	स्क्रीन में DOWNLOAD DOCUMENT TAB पर क्लिक करें, इसके पश्चात् प्रिंट रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट पर क्लिक करें	उक्त स्क्रीन पर ड्राईविंग लाईसेंस नंबर अथवा आवेदन संख्या एवं जन्म तिथि दर्ज करें तथा Proceed पर क्लिक करें
5.	स्क्रीन पर अपने वाहन के चेसिस नंबर के अंतिम पांच नंबर को दर्ज करें	इसके पश्चात् Generate OTP पर क्लिक करें
6.	इसके पश्चात् Generate OTP पर क्लिक करें	इसके पश्चात् Show Detail पर क्लिक करें
7.	इसके पश्चात् Show Detail पर क्लिक करें	अब स्क्रीन पर e-DL प्रदर्शित होगा जिसे डाउनलोड पर क्लिक करके डाउनलोड कर सकते हैं
8.	अब स्क्रीन पर e- RC प्रदर्शित होगी जिसे डाउनलोड पर क्लिक करके डाउनलोड कर सकते हैं	

नागरिक पंजीकरण प्रणाली (पहचान): पंजीयकों के लिए कार्यशाला

पहचान पोर्टल और आर. बी. डी. संशोधन अधिनियम 2023 में नई पहलों के बारे में जागरूक करने के लिए राजस्थान के आर्थिक और सांख्यिकी निदेशालय द्वारा जयपुर में नागरिक पंजीकरण प्रणाली, पहचान पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। कार्यशाला में जिला पंजीयक, प्रखंड अधिकारी, पंजीयक और उप-पंजीयक शामिल हुए। एन. आई. सी. राजस्थान के वरिष्ठ निदेशक (आई. टी.) ने पहचान पोर्टल पर विस्तृत प्रस्तुति दी है और प्रतिभागियों के साथ तकनीकी मुद्दों पर चर्चा की है। अपने उद्घाटन भाषण में, राजस्थान के मुख्य पंजीयक ने कहा कि राजस्थान आईटी सक्षम नागरिक पंजीकरण और ऑनलाइन नागरिक सेवाओं में देश में अग्रणी राज्य है। एन. आई. सी. राजस्थान द्वारा विकसित, पहचान राजस्थान में जन्म, मृत्यु, मृत जन्म और विवाह पंजीकरण के लिए एकीकृत पोर्टल है जिसे 10 से अधिक वर्षों से सफलतापूर्वक लागू किया गया है। इसका उपयोग राज्य में जन्म, मृत्यु, मृत जन्म और विवाह की घटनाओं के पारदर्शी और समय पर पंजीकरण के उद्देश्य से सभी 14,500 से अधिक पंजीयक और उप-पंजीयक और लगभग 1900 से अधिक निजी अस्पतालों द्वारा किया जा रहा है। पंजीकरण को प्रमाणित करने और डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए विभिन्न विभागों को एकीकृत किया गया है। पंजीकरण डेटा दैनिक आधार पर पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार के महापंजीयक और जन आधार, भारत सरकार के साथ साझा किया जा रहा है। पोर्टल में नागरिकों के लिए कई ऑनलाइन सेवाएं हैं, जैसे डाउनलोड प्रमाण पत्र, पंजीकरण के लिए आवेदन, बच्चे का नाम जोड़ना, विरासत प्रमाण पत्र कम्प्यूटरीकरण आदि। नागरिकों और पंजीयकों के लिए मोबाइल ऐप भी उपलब्ध है। पहचान पोर्टल पर उत्पन्न प्रमाण पत्र डिजिलॉकर में भी उपलब्ध हैं। विभाग ने कई मौकों पर एस. आई. ओ. राजस्थान, श्री जितेंद्र कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में विकसित किए गए पहचान पोर्टल की सराहना की है। एन. आई. सी. राजस्थान के वरिष्ठ निदेशक (आई. टी.) श्री अमित अग्रवाल ने कार्यशाला में भाग लिया। वेबसाइटः https://pehchan.raj.nic.in

आई. एफ. एम. एस. (3.0) के तहत त्वरित भुगतान समाधान

श्री के. के. पाठक (आई.ए.एस.), वित्त सचिव (राजस्व), राजस्थान सरकार ने त्वरित भुगतान समाधान का शुभारंभ किया। श्री पाठक, आई. ए. एस., श्री जे. के. वर्मा, एस. आई. ओ., एन. आई. सी. राजस्थान और आई. एफ. एम. एस. टीम की उपस्थिति में आई. एफ. एम. एस. 3.0 के तहत यू. पी. आई. क्यू. आर. कोड-आधारित तकनीक पर आधारित तत्काल भुगतान की सुविधा के लिए आई. एफ. एम. एस. 1 पर यह प्रेषकों और नागरिकों को तुरंत और परेशानी मुक्त तरीके से सरकारी खातों में कर और गैर-कर भुगतान जमा करने में सुविधा प्रदान करेगा। वेबसाइटः https://ifms.rajasthan.gov.in/ifmssso/#/home

लोकसभा चुनाव के दौरान एन. आई. सी. जिला केंद्रों की भूमिका (मार्च, 2024 तक)

ई. वी. एम. प्रथम याद्दच्छिकरण

पर्यवेक्षक प्रबंधन प्रणाली की वी. सी.

एफएसटी और एसएसटी दलों को ई-एसएमएस और सी-विजिल इन्वेस्टिगेटर ऐप का प्रशिक्षण

सी-विजिल ऐप का प्रशिक्षण

ई. वी. एम. प्रथम याद्दच्छिककरण

राजस्थान में लोकसभा चुनाव 2024 दो चरणों में हो रहे हैं। चुनाव का पहला चरण 19 अप्रैल, 2024 को 12 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों (पीसी) में होगा, जबकि दूसरे चरण का चुनाव 26 अप्रैल, 2024 को बांसवाड़ा जिले में बागीदौरा विधानसभा उपचुनाव के साथ 13 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में होगा। सभी जिला एन. आई. सी. अधिकारियों ने अपनी आवश्यकता और उपलब्धता के आधार पर मतदान कर्मियों के आंकड़े तैयार करने, लोकसभा चुनाव के लिए चुनाव प्रबंधन प्रणाली (ई. एम. एस.) सॉफ्टवेयर को कॉन्फ़िगर करने, मतदान कर्मियों का पहला याद्दच्छिक प्रदर्शन करने और इसके वितरण को सुनिश्चित करने के साथ-साथ अपने पहले प्रशिक्षण आदेश तैयार करने में सक्रिय भागीदारी की। फरवरी-मार्च, 2024 के दौरान राजस्थान के सभी संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में आयोजित पहले प्रशिक्षण के लिए ईएमएस सॉफ्टवेयर के माध्यम से मतदान कर्मियों की उपस्थिति और ऑन ड्यूटी प्रमाण पत्र तैयार किए गए थे। ई. वी. एम. का पहला याद्दच्छिककरण एन. आई. सी. की मदद से सभी पीसी में किया गया था, जबकि जिला नोडल अधिकारी आई. टी. के रूप में काम करने वाले अधिकांश डी. आई. ओ.-समर्थित और सभी चुनाव आई. टी. अनुप्रयोगों जैसे-सी-विजिल, एनकोर, एन. जी. आर. एस., डी. सी. सी. 1950, सुविधा, के. वाई. सी., सक्षम ऐप, वोटर हेल्प लाइन ऐप आदि के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया।

साइबर सुरक्षा सलाह

2-फैक्टर प्रमाणीकरण का उपयोग करें

कई प्लेटफॉर्म अब आपको अपने खातों को अधिक सुरक्षित रखने के लिए 2-फैक्टर प्रमाणीकरण को सक्षम करने की अनुमति देते हैं। यह सुरक्षा की एक और परत है जो यह सत्यापित करने में मदद करती है कि यह वास्तव में आप हैं जो आपके खाते तक पहुँच रहे हैं न कि कोई ऐसा व्यक्ति जो अनधिकृत है। डिजिटल सुरक्षा के लिए इस सुरक्षा सुविधा का उपयोग करें।

RAJNIC
An e-Governance Newsletter of
NIC RAJASTHAN
त्रैमासिक डिजिटल समाचार पत्र (जनवरी से मार्च 2024)

त्रैमासिक प्रोजेक्ट- पोस्टल बड्डी

पोस्टल बड्डी सभी जिला चुनाव अधिकारियों, निर्वाचन अधिकारियों और सहायक निर्वाचन अधिकारियों और राज्य उपयोगकर्ताओं के लिए एक एकीकृत वेब प्लेटफॉर्म है ताकि पात्र मतदाताओं को डाक मतपत्र और ई. डी. सी. जारी करने की प्रक्रिया को सरल बनाया जा सके। यह उपयोगकर्ताओं को डाक मतपत्र और ई. डी. सी. जारी करने की स्थिति को प्रबंधित करने और ट्रैक करने की सुविधा भी प्रदान करता है।

पोस्टल बड्डी क्यों?

- कोई समेकित मंच उपलब्ध नहीं
  - विभिन्न स्तरों पर डाक मतपत्र जारी करने की प्रक्रिया की प्रभावी निगरानी।
  - डाक मतपत्र या ई. डी. सी. की स्थिति का पता लगाने के लिए मतदाता।
  - मतदाताओं द्वारा लागू किए गए फॉर्म 12/12 A/12D में गलत विवरणों का वर्गीकरण।
  - चुनाव कर्तव्यों और मतदान संबंधी जानकारी में समन्वय।
- प्रक्रिया मैनुअल/ऑफ़लाइन होने के कारण डाक मतपत्र/ई. डी. सी. की पूरी प्रक्रिया को निर्धारित समय सीमा में आयोजित करने में कठिनाई।
- मानव संसाधन की बर्बादी। जिला निर्वाचन अधिकारी के स्तर पर डाक मतपत्रों और ई. डी. सी. आवेदनों को अलग करने में कठिनाई।
- एक ही मतदाता द्वारा एक से अधिक आवेदन के मामले में डाक मतपत्र/ई. डी. सी. जारी करने में भ्रम, बहुत अधिक समय लेने वाला और मैनुअल त्रुटि के लिए प्रवण।

पोस्टल बड्डी उपयोगकर्ताओं की सहायता कैसे करता है?

1. मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान

- डाक मतपत्र/ई. डी. सी. की पूरी प्रक्रिया की वास्तविक समय ऑनलाइन निगरानी प्रदान करता है।
- राज्य स्तर पर डाक मतपत्र/ई. डी. सी. की समेकित रिपोर्ट।

2. जिला निर्वाचन अधिकारी

- डाक मतपत्र/ई. डी. सी. की पूरी प्रक्रिया की वास्तविक समय ऑनलाइन निगरानी प्रदान करता है।
- पात्र डाक मतपत्र/ई. डी. सी. मतदाताओं के गलत और अधूरे डेटा को सही करने की अनुमति देता है।
- दिनांक के अनुसार डैशबोर्ड प्रदान करता है और प्रशिक्षण केंद्र के अनुसार फॉर्म-12/12 ए. का वर्गीकृत डेटा संग्रह करता है।
- आर. ओ./ए. आर. ओ. के अनुसार फॉर्म-12/12 ए. के वर्गीकृत डेटा संग्रह के लिए डैशबोर्ड प्रदान करता है।
- मतदाता श्रेणी के अनुसार फॉर्म-12/12 ए. के वर्गीकृत डेटा संग्रह के लिए डैशबोर्ड प्रदान करता है।
- वितरण और तिथि के अनुसार और पोस्टल वी. ओ. के लिए डैशबोर्ड प्रदान करता है।

डाक मित्र की उपयोगिताएँ:

- 100% सफलता के साथ दी गई समय सीमा में डाक मतपत्र/EDC की प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से और आसानी से निष्पादित करना।
- विभिन्न स्तरों पर डाक मतपत्र/ई. डी. सी. की स्थिति की निगरानी के लिए एक एकीकृत मंच प्रदान करना।
- मतदाता को उसके डाक मतपत्र/ई. डी. सी. की वास्तविक स्थिति के बारे में अद्यतन करना।
- जिला निर्वाचन अधिकारी के स्तर पर मतदाता के आंकड़ों को आसानी से संकलित और विश्लेषण करना।
- जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा डाक मतपत्र/ई. डी. सी. के लिए आवेदनों की आसानी से जांच करना।
- विभिन्न रिपोर्टों/आंकड़ों का वास्तविक समय में प्रसंस्करण और आवश्यकता के अनुसार डाउनलोड करना।

3. निर्वाचन अधिकारी/सहायक निर्वाचन अधिकारी

- डाक मतपत्र/ई. डी. सी. की पूरी प्रक्रिया की वास्तविक समय ऑनलाइन निगरानी प्रदान करता है।
- जिला चुनाव अधिकारियों द्वारा भेजे गए फॉर्म-12/12 ए/12डी के समेकित डेटा के लिए डैशबोर्ड प्रदान करता है।

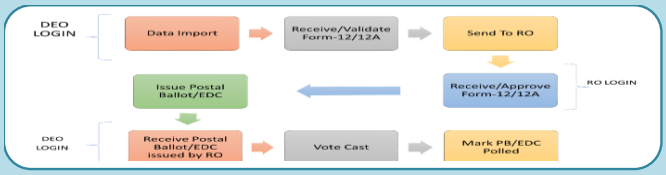

4. डाक मतपत्र/ई. डी. सी. के लिए योग्य मतदाता

- फॉर्म की स्थिति को ट्रैक कर सकते हैं-12/12 अपने लॉगिन विवरण के साथ एक आवेदन। यदि आवश्यक हो, तो फॉर्म-12/12 A के विवरण को अपडेट कर सकते हैं।
- जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा चिह्नित किए जाने के बाद किसी भी सुधार की अनुमति नहीं है।

डैशबोर्ड - पोस्टल बड्डी एवं ई. डी. सी. की स्थिति (प्रत्येक स्तर पर)

Postal Ballot/EDC Data Process Status

	Form-12/12A/12D Received by DEO	Verified and Sent to RO	Form-12/12A/12D Approved by RO	PB/EDC Issued	PB/EDC Received	PB/EDC Polled
Total Valid PB/EDC Voters 12472	Completed: 12149	Completed: 12149	Completed: Approved: 12123 Rejected: 26 Total: 12149	Completed: EDC: 5065 PB: 7058 Total: 12123	Completed: EDC: 5065 PB: 7058 Total: 12123	Completed: PB Only: 6882
	Form not received: Duty Cancelled: 12 Pending: 311 Total: 323	Pending: 0	Pending: 0	Pending: 0	Pending: EDC: 0 PB: 0 Total: 0	Pending: PB Only: 176
	Progress: 97.5%	Progress: 100%	Progress: 100%	Progress: 100%	Progress: 100%	Progress: 97.51%

जिला एन. आई. सी. अधिकारियों द्वारा प्राप्त पुरस्कारों पर एक नजर

Shri Ankur Goyal (DIO Ajmer)

Shri Paramjeet Singh (DIO Sri Ganganagar)

Shri Sushil Agarwal (ADIO Tonk)

Shri Vikas Meena (ADIO Bundi)

Shri Dilip Jain (DIO Barmer)

Shri Manish Sharma (DIO Baran)

Smt. Poonam Patani (ADIO Baran)

Shri Mahendra Singh Kachhawa (ADIO Sirohi)

Shri Sanjay Ramdeo (DIO Jalore)

Shri Ladesh Sharma (ADIO Jalore)

Shri Somendra Poonia (DIO Sikar)

परियोजना लेन-देन सांख्यिकी

SN	Project	Number of Transactions			Total Trans.
		Jan 24	Feb 24	Mar 24	
1	DBT through Pay Manager	18414046	18365044	23724553	60502676
2	DILRMP ROR	5063309	5460687	4864382	15358378
3	Shala Darpan (Students)	345511	65318	723262	1134091
4	IFMS - Rajkosh Challans	1082624	1060595	1425354	3568573
5	eGras	903543	902485	1189904	2995932
6	IFMS - Rajkosh Bills	424247	340839	563050	1328136
7	Pay Manager Other Bills	205652	258539	418025	882216
8	Right to education (Students)	88235	76990	7522	172747
9	Registration and Stamps	206387	222253	226928	695727
10	Shala Darpan (School/Teachers)	35452	24562	84533	185303
11	E-Transport Vehicle Registration	124969	121206	130269	376444
12	E-Transport Driving License	54067	53081	64455	171603

त्रैमासिक डिजिटल समाचार पत्र (जनवरी से मार्च 2024)

प्रौद्योगिकी वार्ताः क्यू. आर. कोड का रहस्योद्घाटन

श्री ईश्वर दास वरियानी
साइंटिस्ट-एफ, स्टेट सेंटर

एक क्यू. आर. कोड या त्वरित प्रतिक्रिया कोड एक मशीन-पठनीय कोड है जिसमें काले और सफेद वर्गों की एक श्रृंखला होती है, जिसका उपयोग आमतौर पर जानकारी संग्रहीत करने के लिए किया जाता है, जैसे कि पाठ, यू. आर. एल., संपर्क जानकारी, या अन्य डेटा आदि जो स्मार्टफोन पर कैमरे द्वारा पढ़ने के लिए उपयोग किया जाता है। क्यू. आर. कोड वर्गाकार होते हैं और इसमें सफेद पृष्ठभूमि पर व्यवस्थित काले वर्ग होते हैं। क्यू. आर. कोड आसानी से सुलभ हैं और क्यू. आर. कोड रीडर द्वारा स्कैन किए जा सकते हैं। क्यू. आर. कोड बारकोड से कैसे अलग है? क्यू. आर. कोड बारकोड की तुलना में अधिक डेटा रख सकते हैं और बारकोड की तुलना में क्षतिग्रस्त होने की संभावना कम होती है। क्यू. आर. कोड को सभी दिशाओं से पढ़ा जा सकता है, जबकि बारकोड को केवल एक दिशा से पढ़ा जा सकता है। क्यू. आर. कोड दो बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है, 1) इसे 1डी बारकोड की तुलना में बड़ी मात्रा में डेटा संग्रहीत करना चाहिए, 2) इसे फोन जैसे किसी भी हाथ में पकड़ने वाले उपकरण का उपयोग करके तेज गति से डिकोड किया जाना चाहिए। क्यू.आर कोड को जापान में 1994 में टोयोटा की सहायक कंपनी डेन्सो वेव. इंक. के मासाहिरो हारा द्वारा विकसित किया गया था, ताकि निर्माण के दौरान मोटर वाहन के पुर्जों को ट्रैक किया जा सके।

क्यू. आर. कोड के प्रकार?

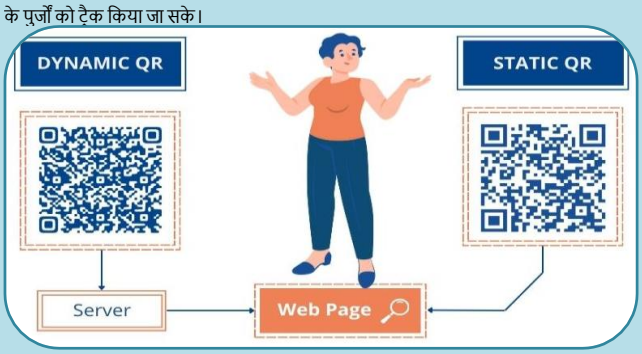

स्थिर क्यू. आर. कोडः स्थिर क्यू. आर. कोड क्यू. आर. बारकोड का पारंपरिक रूप है जिसे पूरे क्यू. आर. कोड को फिर से बनाए, फिर से प्रिंट किए और फिर से तैनात किए बिना संशोधित नहीं किया जा सकता है। इन कोडों में जानकारी के लिए एक लिंक के बजाय वास्तविक जानकारी होती है।

गतिशील क्यू. आर. कोडः गतिशील क्यू. आर. कोड क्यू. आर. बारकोड के अधिक उन्नत संस्करण हैं। ये कोड बहुत अधिक लचीले होते हैं क्योंकि इन्हें पूरे कोड को बदले बिना किसी भी समय संपादित और अद्यतन किया जा सकता है। गतिशील क्यू. आर. कोड में एक यू. आर. एल. होता है जो उपयोगकर्ताओं को प्रासंगिक जानकारी के साथ एक ऑनलाइन संसाधन या वेबपेज पर पुनर्निर्देशित करता है।

क्यू. आर. कोड के घटक? शांत क्षेत्रः क्यू. आर. कोड के आसपास एक सफेद सीमा जिसे शांत क्षेत्र के रूप में जाना जाता है। यह क्यू. आर. कोड पाठकों को कोड को उसके परिवेश से अलग करने में मदद करता है और एक बफर ज़ोन प्रदान करके सटीक स्कैनिंग सुनिश्चित करता है।

खोज पैटर्नः क्यू. आर. कोड के कोनों पर स्थित तीन वर्गाकार पैटर्न। ये पैटर्न क्यू. आर. कोड पाठकों को स्कैनिंग के लिए कोड का पता लगाने और संरेखित करने में मदद करते हैं।

संरेखण पैटर्नः क्यू. आर. कोड ग्रिड के भीतर रखे गए छोटे वर्गाकार पैटर्न। ये पैटर्न स्कैन करने की सटीकता में सुधार करते हुए, कोड के किसी भी विकृति या तिरछेपन के लिए सुधार करने में क्यू. आर. कोड पाठकों की सहायता करते हैं।

समय पैटर्नः क्यू. आर. कोड ग्रिड के किनारों के साथ चलने वाले बारी-बारी से काले और सफेद मॉड्यूल की पंक्तियाँ और कॉलम। ये पैटर्न क्यू. आर. कोड पाठकों को कोड के आकार और अभिविन्यास को निर्धारित करने में मदद करते हैं।

डेटा ग्रिडः क्यू. आर. कोड का मुख्य क्षेत्र जिसमें एन्कोडेड डेटा होता है। इसमें ग्रिड पैटर्न में व्यवस्थित काले और सफेद मॉड्यूल होते हैं। ***प्रारूप सूचनाः*** क्यू. आर. कोड का एक खंड जो कोड प्रारूप, त्रुटि सुधार स्तर और अन्य तकनीकी मापदंडों के बारे में आवश्यक विवरण प्रदान करता है।

संस्करण जानकारीः क्यू. आर. कोड के आकार और जटिलता को निर्दिष्ट करने वाला अतिरिक्त डेटा। उच्च संस्करण अधिक डेटा संग्रहीत करने में सक्षम बड़े क्यू. आर. कोड का संकेत देते हैं। क्यू. आर. कोड पाठक इस जानकारी का उपयोग अपने स्कैनिंग मापदंडों को तदनुसार समायोजित करने के लिए करते हैं।

क्यू. आर. कोड के संस्करण? **1.** क्यू. आर. कोड के प्रतीक संस्करण संस्करण से लेकर संस्करण 40 तक हैं। **2.** प्रत्येक संस्करण में एक अलग मॉड्यूल विन्यास या मॉड्यूल की संख्या होती है। (मॉड्यूल काले और सफेद बिंदुओं को संदर्भित करता है जो QR Code बनाते हैं।) **3.** "मॉड्यूल विन्यास" एक प्रतीक में निहित मॉड्यूल की संख्या को संदर्भित करता है, जो संस्करण 1 (21 × 21 मॉड्यूल) से शुरू होकर 40 (177 × 177 मॉड्यूल) तक होता है। **4.** प्रत्येक उच्च संस्करण संख्या में प्रति पक्ष चार अतिरिक्त मॉड्यूल होते हैं।

Structure of a QR Code

क्यू. आर. कोड के अनुप्रयोगः

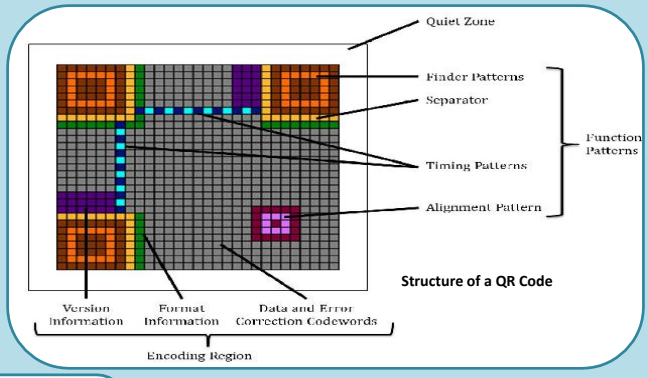

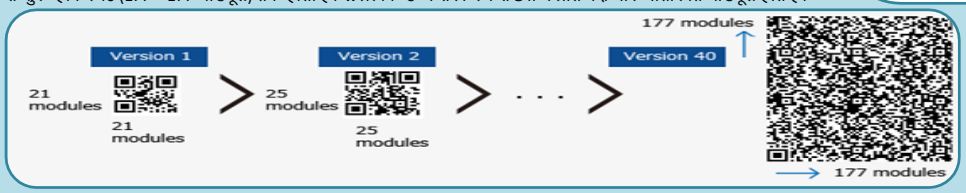

1. ***वेबसाइट लिंकिंगः*** क्यू. आर. कोड स्कैन करने पर उपयोगकर्ताओं को किसी विशिष्ट वेबसाइट या वेबपेज पर निर्देशित कर सकते हैं। इस कार्यक्षमता का उपयोग आमतौर पर विज्ञापन, विपणन अभियानों और प्रचार सामग्री में अतिरिक्त जानकारी या विशेष प्रस्तावों तक त्वरित पहुंच प्रदान करने के लिए किया जाता है।

2. ***संपर्क जानकारी साझा करनाः*** क्यू. आर. कोड नाम, फोन नंबर, ईमेल पता और भौतिक पता जैसी संपर्क जानकारी को कूटबद्ध कर सकते हैं। क्यू. आर. कोड को स्कैन करने से उपयोगकर्ता बिना मैनुअल इनपुट के अपनी पता पुस्तिका में जल्दी से संपर्क विवरण जोड़ सकते हैं।

3. ***उत्पाद की जानकारीः*** उत्पाद की पैकेजिंग पर रखे गए क्यू. आर. कोड उपभोक्ताओं को उत्पाद की विस्तृत जानकारी प्रदान कर सकते हैं, जैसे कि सामग्री, पोषण संबंधी तथ्य, उपयोग के निर्देश और सुरक्षा चेतावनी।

4. ***भुगतान प्रक्रियाः*** एक मोबाइल भुगतान ऐप के साथ क्यू. आर. कोड को स्कैन करने से उपयोगकर्ता बिना भौतिक नकद या कार्ड की आवश्यकता के लेनदेन को जल्दी और सुरक्षित रूप से पूरा कर सकते हैं।

5. ***इवेंट टिकटिंगः*** क्यू. आर. कोड का उपयोग आमतौर पर संगीत कार्यक्रम, फिल्में, खेल और सार्वजनिक परिवहन जैसे कार्यक्रमों के लिए इलेक्ट्रॉनिक टिकटिंग के लिए किया जाता है।

6. ***प्रमाणीकरण और सत्यापनः*** क्यू. आर. कोड का उपयोग उत्पादों, दस्तावेजों या साख की प्रामाणिकता को प्रमाणित या सत्यापित करने के लिए किया जा सकता है। अद्वितीय पहचानकर्ताओं या डिजिटल हस्ताक्षरों को कूटबद्ध करके, क्यू. आर. कोड त्वरित और विश्वसनीय सत्यापन प्रक्रियाओं को सक्षम बनाते हैं, जिससे जालसाजी या छेड़छाड़ के जोखिम को कम किया जा सकता है।

7. ***इन्वेंट्री प्रबंधनः*** इन्वेंट्री प्रबंधन और ट्रैकिंग के लिए क्यू. आर. कोड मूल्यवान उपकरण हैं। इनका उपयोग उत्पादों, उपकरणों या परिसंपत्तियों को अद्वितीय पहचानकर्ताओं के साथ लेबल करने के लिए किया जा सकता है जिन्हें इन्वेंट्री रिकॉर्ड को अपडेट करने, गतिविधियों को ट्रैक करने और वास्तविक समय में स्टॉक स्तरों की निगरानी करने के लिए स्कैन किया जा सकता है।

8. ***शैक्षिक संसाधनः*** क्यू. आर. कोड को वीडियो, लेख, संवादात्मक प्रश्नोत्तरी या मल्टीमीडिया सामग्री जैसे पूरक संसाधन प्रदान करने के लिए शैक्षणिक सामग्री जैसे पाठ्यपुस्तकों, कार्यपत्रकों या कक्षा प्रस्तुतियों में एम्बेड किया जा सकता है। यह सीखने के अनुभवों को बढ़ाता है और आत्म-निर्देशित अध्ययन को प्रोत्साहित करता है।

9. ***स्वास्थ्य सेवा अनुप्रयोगः*** रोगी की जानकारी को संग्रहीत करने, चिकित्सा रिकॉर्ड या पर्चे से लिंक करने, नियुक्तियों को निर्धारित करने या टेलीमेडिसिन सेवाओं तक पहुंच प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य सेवा सेटिंग्स में क्यू. आर. कोड का उपयोग तेजी से किया जा रहा है। इससे दक्षता, सटीकता और रोगी की देखभाल के परिणामों में सुधार होता है।

10. ***पर्यटन और नौवहनः*** आगंतुकों को प्रासंगिक जानकारी, ऑडियो गाइड, मानचित्र या दिशा-निर्देश प्रदान करने के लिए पर्यटक आकर्षणों, स्थलों या रुचि के स्थानों पर क्यू. आर. कोड रखे जा सकते हैं। यह कार्यक्षमता आगंतुक अनुभव को बढ़ाती है और स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा देती है।

Published By

संरक्षक
श्री जे. के. वर्मा, एस. आई. ओ. राजस्थान

सम्पादकीय बोर्ड
श्री मुकेश कुमार झा, वैज्ञानिक-'एफ'
श्री अमित अग्रवाल वैज्ञानिक-'एफ'
श्री दिलीप जैन, वैज्ञानिक-'ई'
श्री अनिल कुमार भाल, वैज्ञानिक-'ई'
श्री प्रेम शंकर चौबीसा, वैज्ञानिक-'ई'
श्री हेमंत मेहता, वैज्ञानिक-'ई'

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र
राजस्थान राज्य केंद्र
8318, उत्तर-पश्चिम खंड
सचिवालय, सी-स्कीम
जयपुर, 302005
0141-2227992
ईमेलः sioraj@nic.in
वेबसाइटः https://raj.nic.in